अपर्णा शर्मा की तीन किताबों के सेकंड एडिशन का लोकार्पण आज

जिस सेंट मैरी स्कूल में पढ़ीं, वहीं की छात्राओं को 9 साल दी स्कॉलरशिप

स्वदेश समाचार ■ उज्जैन

सेंट मैरी स्कूल की छात्रा रही अपर्णा शर्मा अब मुंबई में बस गई हैं लेकिन इस स्कूल से जुड़ी यादें उन्हें खींच लाती हैं। उन्होंने 2015, 16 और 2018 में जो तीन किताबें लिखी थीं। किसी भी लेखक के लिए यह बड़ी उपलब्धि रहती है कि उसकी किताबों के सेकंड एडिशन लॉन्च हों। अपर्णा की इन किताबों के सेकंड एडिशन का विमोचन आज शनिवार की सुबह 9.30 बजे जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेषानंद गिरी करेंगे। वे भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं।

लेखिका अपर्णा ने पहले छात्रा रहते स्कूल का नाम तो रोशन किया ही बाद में स्कॉलरशिप 'उड़ान' के माध्यम से 9 साल तक इसी स्कूल की नौवीं-दसवीं की

प्रतिभाशाली 19 छात्राओं की फीस भरने के साथ अन्य मदद भी की ताकि वे अपने साथ स्कूल का भी नाम रोशन करें। अब यही स्कॉलरशिप उत्तर प्रदेश में जारी की है। 'स्वदेश' से चर्चा में उन्होंने बताया कि, उड़ान स्कॉलरशिप बुआ स्व. मोहिनी देवी व्यास की स्मृति में शुरू की थी जो अब उत्तरप्रदेश में जारी है।

मां की स्मृति में उप्र में शुरू किया 'उषा अवार्ड'

उत्तरप्रदेश में ही चार साल पहले अपनी मां उषा शर्मा की स्मृति में बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए 'उषा अवार्ड' स्कॉलरशिप दे रही हैं। गौरतलब है डॉ. मोहिनी उज्जैन में ही महाकाल जच्चा खाना की इंचार्ज रही हैं। मुंबई में कारपोरेट से जुड़ीं बताती हैं पुस्तकों का यह लोकार्पण एक तरह से मेरी दस साल की लेखकीय यात्रा का उत्सव है। मेरे पिता नरेंद्र शर्मा इस समारोह में स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित भी करेंगे।

शैलेषानंद की कहानी भी है एक किताब में- लेखिका अपर्णा की इन तीन किताबों में एक हिंदी की और दो अंग्रेजी की है। इनमें से Between You and MeÑ Ordinary to E&traordinary People की 15 कहानियों में एक कहानी विमोचन समारोह के अतिथि-इसी स्कूल के छात्र रहे शैलेषानंद गिरी की है। दो अन्य किताबे हैं Reality by the Role of HR in Todays World और हिंदी में लिखी 'वर्तमान समय में मानव संसाधन की भूमिका'। अपर्णा विभिन्न कॉर्पोरेट संगठनों में 30 वर्षों तक ग्लोबल एचआर (मानव संसाधन) प्रमुख के रूप में कार्य किया। उन्हें भारत के अलावा अमेरिका, फिलीपींस और सिंगापुर सहित दुनिया के विभिन्न देशों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है।